पर्यटन विभाग में 33,000 करोड़ की परियोजनाएं

- होटल उद्योग में 26,400 करोड़ रुपये की परियोजनाएं
- पर्यटन विभाग ने तैयारी की 1,192 प्रस्तावों की सूची

नवोज त्रिपाठी • लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे पर्यटन के मद्देनजर इस क्षेत्र की 33,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं निवेश के लिए तैयार हैं। 19 फरवरी को होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) में इन परियोजनाओं का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगी। इनमें सबसे ज्यादा 26,400 करोड़ रुपये की परियोजनाएं होटल उद्योग से संबंधित हैं। इसके अलावा इको व जल पर्यटन से संबंधित योजनाओं को भी जीबीसी के लिए अंतिम रूप दे दिया गया है। पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए 1192 प्रस्तावों को विभाग ने सूचीबद्ध कर लिया है। पर्यटन विभाग को जीबीसी के लिए 37,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था।

पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा पर्यटकों ने भ्रमण किया था। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय पर्यटकों के आगमन में उप्र देश में पहले स्थान पर था। यहां करीब 32 करोड़ पर्यटकों ने भ्रमण किया था। इनमें 15 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक भी शामिल थे। इससे उत्साहित होकर सरकार ने पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए सड़क व एयर कनेक्टिविटी पर भी काम किया है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान मे आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की हो रही तैयारी • जागरण

साथ ही मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटक स्थल को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाकर पर्यटकों के आगमन के लिए तैयार किया जा रहा है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर सरकार ने उप्र में ज्यादा से ज्यादा होटलों के निर्माण को लेकर होटल वर्गीकरण की नई योजना भी लांच की है। अभी तक 509 होटलों के निर्माण के प्रस्ताव पर्यटन विभाग के पास आए हैं। इनमें अयोध्या में बनने वाला सालीटेयर ग्रुप के 240 कमरों वाले होटल के अलावा ताज, लीला, वेस्टर्न, हिल्टन ग्रुप के होटलों के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

जीबीसी की सूची में जल परिवहन से संबंधित विश्वनाथन टूर, अयोध्या क्रूज लाइन, थीम पार्क, इको पर्यटन, फार्म पर्यटन, रिजार्ट, एडवेंचर पर्यटन व हेलीपैड के प्रोजेक्टों को भी शामिल किया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उप्र विदेशी पर्यटकों के आगमन के मामले में देश में पहले स्थान पर फिर होगा। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। कोशिश है कि पर्यटन के हर क्षेत्र में उप्र को विश्व के मानचित्र पर स्थापित किया जाए।

प्रमुख परियोजनाएं जिनकी रखी जाएगी आधारशिला

- एनआइडीपी (हीरानंदानी ग्रुप), सिफी टेक्नोलाजीज, वीएएलएस डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, एसटीटी ग्लोबल, जैक्सन लिमिटेड डेटा सेंटर स्थापित करेंगे।
- अशोक लीलैंड व याम्हाहा मोटर्स आटोमोबाइल और ईवी परियोजनाएं स्थापित करेंगे।
- एनटीपीसी, ग्रीनको ग्रुप, टोरेंट पावर, एसीएमई ग्रुप, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, पीएसपी सिक्स थर्मल, हाइड्रो पावर और सोलर प्रोजेक्ट स्थापित करेंगे।
- एमउएम इडिया, आइएनजीकेए, द हाउस आफ अभिनंदन लोढ़ा और गोदरेज प्रापर्टीज आवासीय और रिटेल सेक्टर मे करेंगे निवेश।
- टाटा टेक्नोलाजीज 150 सरकारी आइटीआइ को करेगी अपग्रेड।
- एयर इडिया, एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज और शराफ ग्रुप करेंगे एयर कार्गो टर्मिनल, कोल्ड स्टोरेज और लाजिस्टिक्स पार्क की स्थापना।
- टार्क सेमीकडक्टर्स, डिक्सन टेक्नोलाजीज, हायर, ऐडवर्ब टेक्नोलाजीज और कैंट आरओ सिस्टम्स इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों का करेंगे निर्माण।
- उर्वशी इफ्राटेक और एमएक्यू इंडिया आइटी और आइटी पार्क में करेंगे निवेश।
- ओबड़ू, शारदा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस, यशोदा हास्पिटल और अपोलो हास्पिटल सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय स्थापित करेंगे।
- एबी मौरी, वरुण बेवरेजेज और धर्मपाल सत्यपाल प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करेंगे।
- अडानी डिफेंस सिस्टम्स एड टेक्नोलाजीज, एंकोर रिसर्च लैब्स, भारत डायनेमिक्स, एरोलाय टेक्नोलाजीज और डीआरडीओ ब्रह्मोस एयरोस्पेस डिफेंस एवं शस्त्र निर्माण में निवेश करेंगे।
- बनास डेरी और सीपी मिल्क एड फूड प्रोडक्ट्स डेरी उद्योग में निवेश करेंगे।
- सेंचुरी पल्प एड पेपर, एयर लिक्विड नार्थ इंडिया, डालमिया सीमेंट भारत, रिमझिम इस्पात विनिर्माण इकाइयां स्थापित करेंगे।